



India@75 Conclave was organized by Forest Research Centre for Eco-Rehabilitation, Prayagraj on 14 August 2022 under the AzadiKaAmritMahotsav, in which renowned experts from various fields viz. social sciences, agriculture, medicine, literature, art and culture deliberated upon country's achievements in 75 years of independence. The Programme started with the lighting of the lamp by the distinguished guests followed by release of a book titled "Poplar Farming" written by FR CER scientists, Dr. Anita Tomar and Dr. Sanjay Singh.

In his welcome address, Dr. Sanjay Singh, Scientist G & Head apprised about the journey of forestry and environment since independence and Significant efforts of the Indian Council of Forestry Research and Education under the Ministry of Environment, Forest and Climate Change in the development of forestry sector. Mr.AlokYadav, Scientist-E and Coordinator briefed about the programme's motive and invited guests of the programme.

Special guest Prof. Badri Narayan, Director, GovindBallabh Pant Institute of Social Sciences, Prayagraj, while addressing the gathering, apprised about the positive changes and progress of Indian society after independence. He observed that development accounts for the society not to any individual.

Mr.Prem Singh, Founder, Humane Agrarian Centre, Banda (UP) discussed about the significant achievement and future prospects in the field of agriculture. Describing organic farming as an ancient method, he highlighted its importance for environmental amelioration. In his views farmers must plant trees in agroforestry system on at least one third of their lands.

Noted theatre director and art critic Mr.PravinShekhar spoke on the rich tradition Indian theatre, dances and music. The country has made a global impact in art and culture according to him.

Dr. Maneeshi Bansal, Vice-President of Orthopedic Society, Prayagraj discussed about the incomparable progress made by India in the field of medicine. Being an authority in philately also he depicted India's progress as reflected in postage stamps.

Dr. Yasmin Sultana Naqvi, renowned Hindi writer enlightened the house about the enhanced recognition of Hindi in the World. Sh. Purnendu Kumar Singh, Retired Police Officer, MP Chaired the proceedings of the Conclave. In his address he discussed about major changes in public administration in independent India.

The panellists also answered the queries of audience in an interactive session. While conducting the program, Senior Scientist Dr. Anubha Srivastava also apprised about the Azadika Amrit Mahotsav. The Conclave was attended by guests from the city along with Officers, staff and scholars of the Centre.



प्रयागराज। पारि-पुनर्स्थापन केंद्र व महोत्सव के अंतर्गत शिविर का आयोजन के पर केंद्र के वं विशिष्ट अतिथियों पर डॉ. अनीता तोमर का विमोचन किया डॉ. अनीता तोमर करते हुए पॉपलर वाले लाभ को बत केंद्र प्रमुख व आजादी के बाद कमी तथा इसके वन एवं जलवायु भारतीय वानिकी परिषद् के प्रयासों गोविन्द बल्लभ पंत संस्थान के निदेश ने आजादी के बाद स्थिति से लोगों को मनीषी बंसल ने के क्षेत्र में हुई प्रगा कहा कि विकास

आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर चिंतन समारोह का आयोजन

प्रयागराज(नि.सं)। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वतंत्रता दिवस के 75 वर्ष पर दिनांक 14.08.2022 को पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र द्वारा चिंतन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विशिष्ट अतिथियों के तौर पर विभिन्न सम्मानित क्षेत्र यथा साहित्य, औषधि, हिंदी साहित्य, कृषि तथा सामाजिक विज्ञान आदि के विशेषज्ञ उपस्थित रहे। सभा की शुरुआत विशिष्ट अतिथियों तथा केंद्र प्रमुख द्वारा दीप प्रज्वलन करके हुआ। विशिष्ट अतिथि तथा पॉपलर फार्मिंग विषय पर डा० अनीता तोमर तथा डा० संजय सिंह द्वारा रचित पुस्तक का विमोचन किया गया। अपने स्वागत भाषण में केंद्र प्रमुख डा० संजय सिंह ने आजादी के बाद से आज तक के सफर में वनों के स्तर में आयी कमी तथा इसके सुधार में पर्यावरण, वन एवं

से अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि प्रो० बन्नी नारायण, निदेशक, गोविन्द बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, प्रयागराज ने सभा को सम्बोधित करते हुए आजादी के बाद से आज तक के भारत की सामाजिक स्थिति से अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध जैविक खेती विशेषज्ञ प्रेम सिंह, कृषक, बांदा ने जैविक खेती को सफर में विभिन्न-लेखकों, कवियों, वैज्ञानिकों के साथ कृषकों के योगदान से अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि डा० मनीषी बंसल, चिकित्सा एवं डाक टिकट ने भारत द्वारा

बताया। विशिष्ट अतिथि प्रवीण शेखर कला एवं संस्कृति कलाकार ने भारतीय रंगमंच के विकास के साथ ही लघु कथा के माध्यम से आजादी से लेकर आज तक के किये, उन्होंने कहा कि विकास व्यक्ति विशेष का नहीं होता बल्कि समाज का होता है। विशिष्ट अतिथि डा० याशमीन सुल्ताना नकवी, हिंदी साहित्यकार ने आजादी के पहले और बाद हिंदी की स्थिति से अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि डा० पूर्णन्द कुमार सिंह, साहित्यकार ने आजाद भारत में साहित्य के योगदान से अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा० अनीता तोमर ने पुस्तक के विषय में अवगत कराते हुए पॉपलर की उपयोगिता तथा इससे किसानों को होने वाले लाभ से अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा० अनुभा श्रीवास्तव द्वारा कार्यक्रम को संचालित करते हुए आजादी के अमृत महोत्सव से भी अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम समन्वयक आलोक यादव के निर्देशन में कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। आयोजित सभा में केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ० कुमुद

योगेश, विजय, दर्शिता, मोहया पाल, आशीष यादव, कुलदीप आदि उपस्थित रहे। पॉपलर किसानों द्वारा कृषिवानिकी के उद्देश्य से सबसे पसंदीदा वृक्ष प्रजाति है। इनकी वृद्धि तेज होने के कारण कोई भी किसान अच्छे प्रबंधन से कम समय में अधिक लाभ प्राप्त कर सकता है। इसकी लकड़ी तथा छाल का उपयोग पार्सुवुड, बोर्ड, माचिस की तीलियां, खेलकूद के सामान तथा पेंसिल बनाने के लिए भी किया जाता है। विमोचित पुस्तक पॉपलर फार्मिंग के अंतर्गत पॉपलर आधारित कृषिवानिकी प्रणाली कृषि तकनीक, संरक्षण एवं प्रबंधन, क्लोनिंग, पॉपलर के साथ अन्य फसल, आर्थिक तथा विपणन के साथ सम्बन्धित अन्य विविध मुद्दे उपलब्ध हैं। इस प्रकाशन का मुख्य उद्देश्य किसानों तथा अन्य हितधारकों के बीच पॉपलर की खेती हेतु जानकारी उपलब्ध कराना है।

किसानों, पालकों तथा बागवानों व पॉपलर की खेती में रुचि रखने वालों के लिए बहुत उपयोगी साबित होगा।



एवं चन

वर्षों में प्रकाशित होने वाले यह किताब का नाम है 'आज का भारत'। इस किताब में देश के विकास और प्रगति के बारे में जानकारी दी गई है। इस किताब को पढ़ने से हमें अपने देश के बारे में अधिक जानकारी मिलेगी।